महत्वपूर्ण एवं खास

अंतर्राज्यीय फुटबॉल प्रतियोगिता 8 से पुलिस ग्राउंड डौंडी मे

दल्लीराजहरा (आरएनएस)। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी यूनिक स्पोट्र्स क्लब डौंडी के तत्वधान में 8 जनवरी से फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें यूनिक स्पोट्र्स द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारी का गठन किया गया जिसमें संरक्षक के रूप में मंत्री प्रतिनिधि पीयूष सोनी , पूर्व एल्डरमैन दिनेश अग्रवाल, एवं जिला खेल अधिकारी नरेंद्र ठाकुर, नगर के समाज सेवी बॉबी मथाई को बनाया गया हैं। साथ ही यूनिक स्पोट्र्स क्लब डौंडी के अध्यक्ष पद पर कैलाश राजपूत , उपाध्यक्ष अतीक अहमद कुरैशी , कोषाध्यक्ष मोहम्मद शाहरुख खान, एवं सचिव पद पर इकलामुद्दीन की नियुक्ति की गई है। इस फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम इनाम ?25000 एवं द्वितीय ईनाम ?20000 रखा गया है। प्रतियोगिता में बालाघाट, उकवा, चरोदा, रायपुर, कांटा मांझी उड़ीसा, डोंगरगढ़, दल्ली राजहरा, एवं डौंडी की टीम हिस्सा ले रही है। इस अंतर्राज्यीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने आयोजन समिति ने अपील की हैं।

सड़क दुर्घटना दो बाइक चालकों की मौत

कोरबा (आरएनएस)। पिछले साल जहां सबसे ज्यादा सडक़ दुर्घटना नेशनल हाइवे पर हुआ, वहीं इस साल फिर से तेजरफ्तार में वाहनों के चलने से दुर्घटना होने लगी है। गुरुवार को 10 घंटे के भीतर कटघोरा.पाली के बीच हाइवे.130 पर चैतमा क्षेत्र में दो सडक़ दुर्घटना में 2 बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। पहली घटना गुरुवार सुबह करीब 8 बजे घुईचुआ के पास हुई, जहां बाइक में काम करने जा रहे विजराभाठा निवासी राजू सतवान 25 को तेजरफ्तार वाहन ने ठोकर मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना शाम 6 बजे एनएच.130 पर चैतमा.रजकम्मा के बीच कुटेलामुड़ा के डिस्पोजल फैक्ट्री के सामने हुई, जहां तेजरफ्तार ट्रेलर के चालक ने सामने जा रही बाइक सीजी.12.आर.7550 सवार युवक को ठोकर मार दी। युवक छिटककर सडक़ पर गिरा।

अधेड़ से लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। बीरगांव शीतला तालाब के पास अधेड़ का रास्ता रोक कर मोबाइल व नकदी रकम लूटपाट करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार न्यू शांतिनगर बीरगांव निवासी श्याम लाल भोई 53 वर्ष कल शाम अपने घर जा रहा था। तभी शीतला तलाब के पास आरोपी लाला दास 26 वर्ष व अमन ताम्रकार 20 वर्ष ने प्रार्थी का रास्ता रोककर पत्थर से मारकर चोट पहुंचाया और प्रार्थी के जेब में रखे मोबाइल व नकदी 320 रुपए लूट लिए। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

रायपुर (आरएनएस)। शादी का प्रलोभन देकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पाटन दुर्ग निवासी 24 वर्षीय प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी मनीष चंद्राकर 25 वर्ष ने प्रार्थिया को शादी का झांसा देकर 20 से 30 दिसंबर 2021 के मध्य होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद आरोपी ने शादी से इंकार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुर्ग शहर में पहली बार खिला तीन मुखी रुद्राक्ष

दुर्ग (आरएनएस)। दुर्ग में पहली बार एक महतो परिवार के घर में रुद्राक्ष के पेड़ में फल लगे हैं। इसे देखने के लिए दूर दूर से लोग आ रहे हैं। जिसके यहां रुद्राक्ष फला है वह इसे भगवान शंकर का आशीर्वाद बता रहा है। उसका कहना है कि उसके घर में तीन मुखी रुद्राक्ष फला है जो हिंदू मान्यता के अनुसार अद्भुत लाभ देता है। दुर्ग शहर के बोरसी क्षेत्र में रामाधार महतो बागवानी के लिए जाने जाते हैं। उनके घर में ही काफी बड़ी नर्सरी है। उस नर्सरी में वो सैकड़ों प्रजाति के फूल और ऑक्सीजन प्लांट के पौधा उगाकर बेचते हैं। अब उनका यह काम उनका बेटा अजय महतो देखता है। अजय ने बताया कि उनके पिता ने बाहर से रुद्राक्ष का पौधा मंगाया था। उसे घर के पास बने भगवान शंकर के मंदिर के बगल से लगा दिया था। 15-20 सालों में वह पौधा वृक्ष का रूप ले चका है। अजय ने बताया कि दुर्ग जिले में कई रुद्राक्ष के पौधे लगे होंगे, लेकिन फल देने वाला पहला पेड़ उनके यहां का है। उनके यहां का रुद्राक्ष तीन मुखी है। इस पेड़ में दूसरी बार फल लगे हैं। पहली बार काफी कम फल लगे थे। जब वह पक करके नीचे गिरे तो अजय की बूढ़ी दादी ने एक-एक फल को अपने पास संजोकर रखा। उसमें से निकले 108 रुद्राक्ष की माला बनाकर उसने भोलेनाथ की प्रतिमा को चढ़ाया और दूसरी माला एक बड़े संत को पनाई, जो उनके घर आए थे। उसके बाद दूसरी बार रुद्राक्ष के पेड़ में काफी फल लगे।

नहीं करेगा व्यौसायिक उपयोग- अजय का कहना है कि मार्केट में रुद्राक्ष के नाम पर काफी लूट है। लोगों को नकली रुद्राक्ष पकड़ा दिया जाता है। उसका कहना है कि वह इस रुद्राक्ष का व्यौसायिक उपयोग नहीं करेगा। जिन लोगों को रुद्राक्ष की जरूरत होगी और वह इसको पूजते होंगे वह उन्हें इसे देगा। तीन मुखी रुद्राक्ष के अद्भुत फल बताए गए हैं। यह भगवान शंकर की कृपा से उसके यहां फला है। इसलिए वह इसे जरूरतमंद लोगों को इसे देगा।

तीन मुखी रुद्राक्ष से क्या होता है लाभ- कहा जाता कि अगर को सावन मास के किसी भी सोमवार के दिन ब्रह्मा, विष्णु और महेश आदि त्रिदेवों के प्रतिक इस तीन मुखी रुद्राक्ष को धारण करता हैं तो उसके ऊपर त्रिदेवों की कृपा बरसने लगती हैं, क्योंकि तीन मुखी रूद्राक्ष में इन तीनों की शक्तियों का वास होता हैं। तीन मुखी रुद्राक्ष में अग्नि तत्व की प्रधानता है, अग्नि तत्व जो कि पंच तत्वों में भी मुख्य तत्व माना जात हैं। अग्नि तत्व की प्रमुखता होने के कारण तीन मुखी रुद्राक्ष धारण करने वाले जातक के विचारों में शुद्धता व स्थिरता आती हैं।

रुद्राक्ष पेड़ के फल की गुठली होती है इस गुठली पर प्राकृतिक रूप से कुछ सीधी धारियां होती हैं। ये धारियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इन धारियों की गिनती के आधार पर ही रुद्राक्ष के मुख की गणना होती है। जैसे किसी रुद्राक्ष पर तीन धारियां हैं तो वह रुद्राक्ष तीन मुखी रुद्राक्ष कहलाएगा।

रुद्राक्ष से होने वाले लाभ- रुद्राक्ष भगवान शंकर का प्रिय आभूषण है। जिस घर में रुद्राक्ष की पूजा की जाती है वहां सदा लक्ष्मी का वास रहता है। रुद्राक्ष दीर्घायु प्रदान करता है। रुद्राक्ष गृहस्थियों के लिए अर्थ और काम का दाता है। रुद्राक्ष मन को शांति प्रदान करता है। इसकी पूजा करने से सभी दु:खों से छुटकारा प्राप्त होता है। रुद्राक्ष सभी वर्णो के पाप का नाश करता है। इसे पहनने से हृदय रोग बहुत जल्दी सही हो जाता है और रुद्राक्ष पहनने से मानसिक व्याधियों से मुक्ति मिलती है। रुद्राक्ष को धारण करने से दुष्ट ग्रहों की अशुभता शरीर में होने वाला विषैला संक्रमण और कुदृष्टि दोष, राक्षसी प्रवृत्ति दोष शांत रहते हैं। रुद्राक्ष तेज तथा ओज में अपूर्व वृद्धि करता है।

क्या है तीन मुखी रूद्राक्ष- तीन मुखी रुद्राक्ष में 3 धारियां होती हैं। तीन मुखी रुद्राक्ष को अग्नि स्वरूप माना जाता है। यह सत्य, रज, तथा तम इन तीनों का त्रिगुणात्मक शक्ति वैष्णो देवी का रूप है। इस रुद्राक्ष में ब्रह्रा, विष्णु, महेश तीनों शक्तियों का समावेश होता है, इसके साथ-साथ इसमें तीनों लोक अर्थात आकाश, पृथ्वी, पाताल, की भी शक्तियां निहित होती हैं। यह मानव को त्रिलोकदर्शी बनाकर भूत, भविष्य तथा वर्तमान के बारे में बताता है।

इसको धारण करने से व्यक्ति की विध्वंसात्मक प्रवृत्तियों का अंत होता है तथा रचनात्मक प्रवृत्ति का उदय होता है। जो विद्यार्थी पढऩे में कमजोर हों वह इसे धारण करके अदभुत लाभ उठा सकते हैं। इसको धारण करने से मन में दया, धर्म, परोपकार के भाव पैदा होते हैं। यह पर स्त्री गमन के पापों को नष्ट करता है यह धारक अथवा पूजक के सभी पापों का अंत कर उसे तेजस्वी बनाता है।

रुद्राक्ष धारण करने से पूर्व शिवजी के विग्रह से बहते जल से या पंचामृत से या गंगाजल से धोकर त्र्यंम्बकं मंत्र या शिवपंचाक्षर मंत्र 'ओम नम: शिवाय' से प्राण प्रतिष्ठा करनी चाहिए।

राजधानी और न्यायधानी में कैदी फरार : पुलिस को चकमा देकर चलती ट्रेन से कूद गया बंदी, अंबेडकर अस्पताल से भी भाग निकला आरोपी

रायपुर/बिलासपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर और न्यायधानी बिलासपुर में पुलिस को चकमा देकर कैदी फरार हो गए. बिलासपुर केंद्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा कैदी चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया है।

वहीं रायपुर में आरोपी को इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां से वह फरार हो गया है।

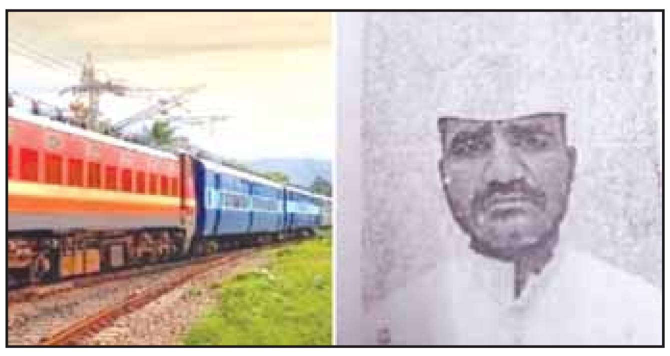

मिली जानकारी के मुताबिक, गंभीर मारपीट के मामले में कैदी सुनील कुमार को दुर्ग न्यायालय से पेशी कराकर बिलासपुर लाया जा रहा था. कैदी बिलासपुर केंद्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था. बंदी को शिवनाथ एक्सप्रेस से बिलासपुर लाया जा रहा था. इस दौरान सिलयारी स्टेशन के पास पुलिस को चकमा देकर चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया. जीआरपी पुलिस फरार कैदी की तलाश में जुटी है. वहीं इस मामले में ड्यूटी में तैनात प्रधान आरक्षक देवचरण मरावी, आरक्षक विकास कुर्रे पर कार्रवाई की गाज गिर सकती है।

वहीं रायपुर में धोखाधड़ी में गिरफ्तार शातिर आरोपी शहाबुद्दीन काजी अहमद अस्पताल से फरार हो गया है. मौदहापारा थाना में फरार आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज है. आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जेल प्रहरी इसकी सुरक्षा में लगे थे और आरोपी को अस्पताल में अकेला छोड़ गायब हो गए थे. इस मामले में अब तक फिलहाल जेल प्रशासन की ओर से इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

बस्तर का दौरा करेंगी राज्यपाल

मिलने पहुंचे आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल को विवाद के हल का दिलाया भरोसा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मसीह समाज और आदिवासी समाज के बीच धर्मांतरण को लेकर चले रहे खूनी संघर्ष को सुलझाने में जिला प्रशासन सहित राजनीतिक दल जुटा है। जिले में तनावपूर्ण माहौल के बीच शांति बनाए रखने द्दढत्र, कलेक्टर ने जिले के जनप्रतिनिधि, व्यापारी समेत विभिन्न वर्गों की बैठक ली। वहीं समाज के लोगों ने राज्यपाल से मुलाकात कर गांव में तनाव की स्थिति से उन्हें अवगत कराया, जहां राज्यपाल ने आदिवासी समाज को मुलाकात के दौरान भरोसा दिलाया कि वे जिले का दौरा कर आदवासियों के बीच समस्याओं का निराकरण करेंगी।

राज्यपाल ने विवाद के निराकरण का दिलाया भरोसा- विदित हो कि बस्तर के आदिवासी समाज प्रमुखों ने आज राजभवन में राज्यपाल अनुसुईया उईके से सौंजन्य मुलाकात की और नारायणपुर जिले के ग्राम गर्रा में चले रहे खूनी संघर्ष से उन्हें अवगत कराया। इस पर राज्यपाल ने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि वे जिले का दौरा करेंगी और आदिवासियों की समस्याओं के निराकरण समाधान के लिए जिला प्रशासन को निर्देश देंगी।

अनियंत्रित बाइक बिजली खंबे से टकराई, एक की मौत एक घायल

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के परपा थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम पंडरीपानी मोड़ के पास बीती रात एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया, अनियंत्रित बाईक के बिजली के खंबे से टकराने से बाईक सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं एक अन्य साथी बाईक सवार युवक घायल हो गया, घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी सुबह पुलिस को लगी, पुलिस कार्यवाही करते हुए मृतक के शव का पीएम के बाद आज सुबह शव परिजनों को सौंप दिया गया।

परपा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नकटी सेमरा निवासी बालकृष्ण उम्र 27 वर्ष अपने एक अन्य साथी के साथ कुटरू बीजापुर से मोटर साइकिल से जगदलपुर के लिए निकले थे। बीती रात करीब 10 बजे बालकृष्ण ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया। पंडरीपानी के पास मोड़ में गाड़ी को सडक़ से नीचे उतारते हुए बिजली खंभे से जा टकराए। इस हादसे में बालकृष्ण की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि साथी घायल हो गया। रात होने के कारण घायलों को किसी ने भी नही देखा। सुबह 08 बजे के लगभग कुछ लोगो ने घायल और मृतक को देखने के बाद पुलिस को सूचना दिया। जिसके बाद घायल को अस्पताल लाया गया।

मकर संक्रांति पर्व 14 या 15 मनाने को लेकर दो भागों में बंटे लोग

कोरबा (आरएनएस)। मकर संक्रांति एक ऐसा पर्व माना जाता है, जिसकी तिथि नहीं बदलती है, लेकिन कुछ वर्षों से इसकी तिथि भी परिवर्तित होने लगी है। मकर संक्रांति मनाने की परंपरा 14 जनवरी को निभाई जाती है। इस बार लोग अपनी तैयारी कर चुके हैं, लेकिन तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई है। इसके कारण कोई 14 को तो कोई 15 को मनाएंगे।

इन सबसे अलग जिले में रहने वाला मलयाली समाज पूर्व की तरह इस साल भी 14 को ही मकर संक्रांति महोत्सव मनाएगा। ज्योतिषी पं. विवेकशील पाण्डेय के अनुसार मकर संक्रांति सूर्य की पूजा का पर्व होता है। सूर्य 6 माह दक्षिणायन तो 6 माह उत्तरायण होते हैं। शास्त्रों के अनुसार तिथि विशेष की गणना इसी दिन से शुरू होती है। सूर्य जब दक्षिणायन रहते हैंए तो इस अवधि को देवताओं की रात्रि और उत्तरायण के 6 माह को दिन माना जाता है। इसलिए हर शुभ कार्य व उसकी गणना उत्तरायण से होती है। पाण्डेय ने बताया कि सूर्यास्त के समय या बाद में संक्रांति लगने पर अगले दिन पुण्यकाल व संक्रांति पर्व मनाया जाता है।

सिख समाज की लोहड़ी 14 को:-सिख समुदाय के लोग मकर संक्रांति की पूर्व संध्या लोहड़ी पर्व मनाते हैं। पंचांग के अनुसार, सूर्य देव 14 जनवरी को रात 8 बजकर 21 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करने वाले हैं। ऐसे में 15 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। वहीं एक दिन पहले लोहड़ी का पर्व मनाया जाएगा। लोहड़ी का शुभ.मुहूर्त 14 जनवरी की रात 8 बजकर 57 मिनट पर है। रात में आग जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए तिल, गुड़, मूंगफली आदि अर्पित कर खुशियां मनाते हैं।

पटेल-मरार समाज बाड़ी योजना का लाभ उठाकर बन सकते हैं आर्थिक रूप से सशक्त - मुख्यमंत्री

0 मुख्यमंत्री शाकम्भरी महोत्सव में हुए शामिल

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार को अपने निवास कार्यालय में पटेल-मरार समाज द्वारा आयोजित शाकम्भरी महोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने माता शाकम्भरी की पूजा-अर्चना कर सभी को शुभकामना दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पटेल-मरार समाज सब्जियों के उत्पादन में अग्रणी है। बाजार में आपके द्वारा पैदा की गई सब्जी अच्छी गुणवत्ता की होती है, इसलिए सबसे पहले बिकती है। मुख्यमंत्री ने पटेल-मरार समाज से आग्रह किया कि आप सभी सरकार की बाड़ी योजना का लाभ जरूर उठाएं। इससे कम लागत में सब्जी का उत्पादन बढ़ेगा। सरकार द्वारा रूरल इंडस्ट्रियल पार्क शुरू किए जा रहे हैं। वहां ड्राई मशीन का उपयोग करके सब्जियों को आकर्षक पैकिंग करके बाजार में अच्छा दाम लिया जा सकता है। आप सभी समूह बनाकर बाड़ी योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय मौसमी सब्जियां पूरे साल उपलब्ध रहती है, क्योंकि कृषि वैज्ञानिकों ने कई शोध किए है और सिंचाई की सुविधा भी बढ़ी है। पटेल-मरार समाज द्वारा मुख्यमंत्री को सब्जी की टोकरी भी भेंट की गई। इस अवसर पर विधासभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम, विधायक बृहस्पत सिंह, विनय भगत मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, देवचरण पटेल, ामसुंदर पटेल, पवन पटेल, आत्मनारायण पटेल एवं बड़ी संख्या में पटेल-मरार समाज के नागरिक उपस्थित रहे।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

आयुर्वेद से ही सम्भव है सम्पूर्ण आरोग्य की प्राप्ति - डॉ.वागेश्वरी शर्मा

कोरबा (आरएनएस)। पांच जनवरी पतंजलि योगपीठ हरिद्वारए दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट हरिद्वार के 28वें एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरिद्वार के 14वें स्थापना दिवस पर 5 जनवरी 2023 गुरुवार को पतंजलि चिकित्सालय निहारिका में वृहद निशुल्क आयुर्वेद योग चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञा वैद्या डॉण्वागेश्वरी शर्मा ने विशेष रूप से अपनी चिकित्सकीय सेवायें प्रदान की।

सर्वप्रथम चिकित्सक वैद्या डॉ वागेश्वरी शर्मा एवं डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा तथा शिविरार्थियों ने आयुर्वेद प्रवर्तक भगवान धनवन्तरी, भारत माता, स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर एवं उनका पूजन अर्चन कर नि:शुल्क आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा परामर्श शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में 57 मधुमेह रोगियों की रक्त शर्करा की नि:शुल्क जांच की गई तथा शिविर में अपना इलाज कराने आये सभी 149 रोगियों को आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञा वैद्या डॉण्वागेश्वरी शर्मा एवं डॉ् नागेन्द्र नारायण शर्मा ने उनके लिये उपयोगी आयुर्वेदानुसार आहार. विहार, दिनचर्या. ऋतुचर्या, के विषय में विस्तार से बताते हुए इससे मुक्ति हेतु नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श दिया। साथ ही वैद्या डॉ वागेश्वरी शर्मा ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की जब तक हम तन और मन दोनों से स्वस्थ नही होंगे हम अपने आपको पूर्ण रूप से स्वस्थ नही कह सकते और तन और मन की विस्तृत चिकित्सा का वर्णन सिर्फ और सिर्फ आयुर्वेद में ही है इसलिये बिना आयुर्वेद के सम्पूर्ण आरोग्य की प्राप्ति असंभव है। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आजीवन सदस्य डॉ नागेंद्र नारायण शर्मा ने उत्तम स्वास्थ्य के लिये आयुर्वेदानुसार आहार विहार का सही पालन करएअपनी दैनिक जीवनचर्या में योग प्राणायाम को शामिल करने के लिये कहा। शिविर में शिविरार्थियों को रोगानुसार अस्थि खनिज घनत्व बोन मिनिरल डेंसिटी की नि:शुल्क जांच कोलकाता के टेक्नीशियन के द्वारा दी गई। शिविर में रोगियों के लिए उपयोगी योगाभ्यास मण्डूकासन, शशकासन, पादहस्तासन, वक्रासन, मर्कटासन तथा भस्त्रिका, कपालभाति एवं अनुलोम विलोम प्राणायाम का व्यक्तिगतरूप से विशेष प्रशिक्षण भी पतंजलि योगपीठ के आजीवन सदस्य डॉ.नागेंद्र शर्मा ने दी। शिविर में पहुंचे रोगियों ने शिविर के आयोजन के लिये प्रसन्नता व्यक्त करते हुये पतंजलि योगपीठ परिवार को धन्यवाद एवम साधुवाद दिया साथ ही नि:शुल्क रक्त शर्करा के जांच के साथ साथ आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श,आहार विहार की जानकारी, बोन मिनिरल डेंसिटी की जांच तथा योग प्राणायाम का प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने रोग पर नियंत्रण तथा इससे मुक्ति के प्रति विश्वस्तता का भाव प्रकट करते हुएआयोजकों,चिकित्सकों एवं योग प्रशिक्षकों को भी साधुवाद एवं धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया।